राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच

Forum for Awareness of National Security (FANS)
(Regd. No. S/1723/District South/2014)
101, H.I.G. DDA Flats, Block-1,
Motia Khan, Paharganj Pin Code. 110055.
M: 8178828297, Ph: 011-79663221
Email: fansnationaloffice@gmail.com

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच

6 वीं वर्षिक आम सभा

6 सितंबर 2020

प्रस्ताव : चीन की चुनौती और आत्मनिर्भर भारत

Annexure-B

महामारी और चीन ने भारत के लिए नयी चुनौतियाँ पैदा कर दी है । इस समस्या ने एक **आत्मनिर्भर-भारत** की परिकल्पना को पैदा कर दिया है । भारत और चीन के बीच सम्बन्ध काफी ब्यापक और मजबूत कसौटियों पर टिके हुऐ थे । जिसमें दो अलग अलग सभ्यताओं का बल था । इस बात की पुष्टि वुहान और महाबलीपुरम अनौपचारिक वार्ता के दौरान दिखी । लेकिन चीन की मंशा कुछ अलग ही थी । उसकी नजर में भारत आर्थिक और सैनिक रूप से इतना कमजोर है कि वह चीन की शक्ति का सामना नहीं कर सकता। पूर्वी लद्दाख में चीन द्वारा पैदा किये गये संघर्ष से निपटने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री ने निर्णायक पहल की शुरुआत की । सैनिक शक्ति की कारगर पहल के अलावा प्रधानमंत्री ने एक **आत्मनिर्भर-भारत** की शुरुआत की । उन्होंने कहा कि कब तक हम अपने कच्चे सामान का निर्यात करते रहेंगे और विदेशों में बने हुए सामान को खरीदते रहेंगे । जबकि हमारे पास साधन और बुद्धि भी है । हम दुनिया के सामने एक मानक बन सकते हैं । यह परिवर्तन न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया को बदलने में भी कारगर होगा ।

यह सच है कि यह काम इतना आसान नहीं है । पहले की राजनीतिक व्यवस्था ने सबकुछ आयात निर्मित आर्थिक व्यवस्था को हर क्षेत्र में खड़ा कर दिया चाहे वो एजुकेशन से सम्बंधित हो या बच्चो के खिलौनों से सबकुछ बाहर का । इसलिए भारत की जनता की सोच भी वैसी ही बन गयी है । आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इस जड़ता को तोड़ना होगा । जिसमे देश के हर नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण बन जाती है ।

दूसरा व्यवस्था को गति देने के लिए प्रशासनिक स्तर पर नियम कानून को सहज और पारदर्शी बनाना होगा । टैक्स व्यवस्था में सरलीकरण पर भी बल देना होगा । लालफीता शाही के चंगुल से व्यवस्था को अलग रखना होगा । **आत्मनिर्भर-भारत अभियान** एक औपनिवेशिक व्यवस्था को बदलने की तरह है । जो जज्बा अंग्रेजो को भारत से भगाने में पैदा हुआ था उसी जज्बे को फिर से जिन्दा करने की जरुरत है ।

प्रधानमंत्री ने **आत्मनिर्भर-भारत** की रुपरेखा देशवाशियों के सामने रखी है । इसमें कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं होगा । रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, विदेश नीति, उद्योगकृषि और रहन.सहन सबकुछ इसमें शामिल होगा । इसका विस्तार भी कश्मीर से कन्याकुमारी तक का होगा । यह बदलाव केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि इस परिवर्तन से दुनिया की शक्ल बदल जाएगी । भारत के पास वो सारे साधन हैं जिनसे इस बदलाव को अंजाम दिया जा सके ।

हम भारत के लोग यह संकल्प करते हैं कि **आत्मनिर्भर-भारत** को बनाने में हर कदम पर एक साथ मिलकर इस अभियान को सफल बनाने में सहायक होंगे । यह प्रयास तब तक चलता रहेगा जब तक विकास की धुरी बदल नहीं जाती । हम यह भी संकल्प लेते हैं कि इस अभियान में अन्य लोगो को जोड़ते जाएंगे और कारवाँ कन्याकुमारी से कश्मीर तक बनायेंगे ।